भारत का इतिहास, संस्कृति एवं स्वतंत्रता संग्राम (Indian History, Culture and Freedom Struggle)

पाषाण काल

- **पशुपालन** का प्रारंभ मध्यपाषाण काल में हुआ था।
- सर्वप्रथम नवपाषाण काल में **खाद्यान्नों की कृषि** प्रारंभ हुई थी।
- मानव द्वारा सर्वप्रथम प्रयुक्त किया जाने वाला अन्न '**जौ**' है।
- भारत में मानव का सर्वप्रथम साक्ष्य **नर्मदा घाटी** (मध्य प्रदेश) में मिलता है।
- **मेहरगढ़** से प्राचीनतम स्थायी जीवन के प्रमाण प्राप्त होते हैं।
- भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य **लहुरादेव** से प्राप्त होते हैं।
- **भीमबेटका गुफा** (मध्य प्रदेश) शैल चित्रों के लिए प्रसिद्ध है।
- मानव कंकाल के साथ कुत्ते का कंकाल **बुर्जहोम** (जम्मू-कश्मीर) से प्राप्त होता है।
- गर्त आवास के साक्ष्य **बुर्जहोम** से प्राप्त होते हैं।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय **भोपाल** में स्थित है।

प्रमुख धातु एवं प्राप्ति स्थान

कच्चा माल	प्राप्ति स्थल
तांबा	खेत्री (राजस्थान) एवं ब्लूचिस्तान
लाजवर्द	बदख्शां (अफगानिस्तान) से
फिरोजा, टिन	ईरान से
चांदी	राजस्थान की जावर एवं अजमेर खानों से, अफगानिस्तान एवं ईरान से
सीसा	अफगानिस्तान से
शिलाजीत	हिमालय से
गोमेद	गुजरात से

सिंधु सभ्यता

- हड़प्पा सभ्यता को **सिंधु घाटी की सभ्यता** भी कहा जाता है।
- सिंधु घाटी सभ्यता **आद्य-ऐतिहासिक** युग से संबंधित है।
- हड़प्पा सभ्यता की जानकारी का प्रमुख स्रोत **पुरातात्विक खुदाई** है।
- सिंधु सभ्यता नगरीय सभ्यता थी।
- नगर नियोजन सिंधु सभ्यता की महत्वपूर्ण विशेषता थी।
- सिंधु सभ्यता में सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती थीं।
- भारत में **चांदी** की उपलब्धता का प्राचीनतम साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति से प्राप्त होता है।
- जुते हुए खेत का साक्ष्य **कालीबंगा** से प्राप्त हुआ है।
- सैंधव सभ्यता का वृहद **स्नानागार मोहनजोदड़ो** से प्राप्त हुआ है।

सिंधु सभ्यता के प्रमुख स्थल एवं खोजकर्ता

प्रमुख स्थल	उत्खननकर्ता	वर्ष
हड़प्पा	दयाराम साहनी	1921
मोहनजोदड़ो	राखालदास बनर्जी	1922
रोपड़	यज्ञदत्त शर्मा	1953
लोथल	एस. आर. राव	1954
कालीबंगा	बी.बी. लाल	1961
रंगपुर	एम. एस. वत्स	1934
चन्हूदड़ो	एन. जी. मजूमदार	1931
सुरकोटडा	जे. पी. जोशी	1964
बनवाली	आर. एस. विष्ट	1973-74
आलमगीरपुर	यज्ञदत्त शर्मा	1958
कोटदीजी	फजल अहमद खां	1955
सुत्कागेनडोर	ऑरेल स्टाइन	1927
माण्डा	जे.पी. जोशी	1976-77
बालाकोट	जॉर्ज एफ. डेल्स	1973
धौलावीरा	आर.एस. विष्ट	1989-90
मिताथल	सूरज भान	1968
राखीगढ़ी	सूरज भान	1969

हड़प्पा कालीन नदियों के किनारे बसे नगर	
नगर	**नदी/सागर तट**
हड़प्पा	रावी
मोहनजोदड़ो	सिंधु
रोपड़	सतलज
कालीबंगा	घग्घर
लोथल	भोगवा
सुत्कागेनडोर	दाश्त
सोत्काकोह	शादीकौर
आलमगीरपुर	हिन्डन
रंगपुर	भादर
कोटदीजी	सिंधु
कुणाल	सरस्वती
चन्हूदड़ो	सिंधु
बनवाली	सरस्वती
माण्डा	चिनाब
भगवानपुरा	सरस्वती
दैमाबाद	प्रवरा
आमरी	सिंधु
राखीगढ़ी	सरस्वती

- सिंधु सभ्यता का मेसोपोटामिया के साथ व्यापारिक संबंध था।
- हड़प्पा सभ्यता का बंदरगाह **लोथल** में अवस्थित था।
- भारत का सबसे बड़ा हड़प्पन पुरास्थल **राखीगढ़ी** है।
- सिंधु घाटी के लोग **मातृशक्ति** में विश्वास करते थे।
- सिंधु घाटी के लोग **पशुपति** की पूजा करते थे।
- सिंधु घाटी सभ्यता को खोजने में **राखालदास बनर्जी** तथा **दयाराम साहनी** ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।
- सर्वप्रथम मानव ने **तांबा** धातु का उपयोग किया।
- सिंधु घाटी सभ्यता में **बांध** का साक्ष्य **धौलावीरा** से प्राप्त होता है।

वैदिक काल

- '**आर्य**' शब्द का आशय '**श्रेष्ठ**' से है।
- '**ऋग्वेद**' सबसे प्राचीन वेद है।
- **अथर्ववेद** में **जादुई भाषा** और **वशीकरण** का वर्णन है।
- ऋग्वेद में कुल **1028** ऋचाएं हैं।
- **यज्ञ-संबंधी** विधि-विधानों का उल्लेख **यजुर्वेद** में प्राप्त होता है।
- अथर्ववेद में सभा और समिति को प्रजापति की दो पुत्रियां कहा गया है।
- **उपनिषद** दर्शन पर आधारित पुस्तकें हैं।
- आरंभिक **वैदिक साहित्य** में सर्वाधिक वर्णन **सिंधु नदी** का प्राप्त होता है।
- वैदिक काल में '**निष्क**' शब्द का प्रयोग **गले के आभूषण** (सोने का) के लिए किया जाता था।
- वर्ण व्यवस्था का प्राचीनतम उल्लेख ऋग्वेद के पुरुषसूक्त से प्राप्त होता है।
- '**गोत्र**' शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में हुआ है।
- ऋग्वैदिक आर्यों का प्रमुख धर्म प्रकृति पूजा और यज्ञ था।
- सर्वाधिक ऋग्वैदिक **सूक्त इन्द्र (250)** को समर्पित हैं।
- ऋग्वेद के द्वितीय सर्वाधिक सूक्त **अग्नि (200)** से संबंधित हैं।
- पूर्व वैदिक आर्यों के सर्वाधिक लोकप्रिय देवता '**इन्द्र**' थे।
- '**गायत्री मंत्र**' का सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है।
- पुराणों की कुल संख्या **18** है।
- '**सत्यमेव जयते**' मुण्डकोपनिषद से लिया गया है।
- ऋग्वेद में '**गाय**' को '**अघन्या**' माना गया है।

बौद्ध धर्म

- गौतम बुद्ध का जन्म **563 ई.** पूर्व **लुम्बिनी** में हुआ था।
- गौतम बुद्ध के बचपन का नाम **सिद्धार्थ** था।
- महात्मा बुद्ध का महापरिनिर्वाण 483 ई. पूर्व **कुशीनगर** में हुआ था।
- गौतम बुद्ध के गुरु **अलार कलाम** (सांख्य दर्शन) थे।
- गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश (धर्मचक्र प्रवर्तन) **सारनाथ** में दिया।
- गौतम बुद्ध ने सर्वाधिक उपदेश **श्रावस्ती** में दिए।
- पवित्र बौद्ध स्थल बोध गया **निरंजना नदी** पर स्थित है।
- **अष्टांग मार्ग** का संबंध बौद्ध धर्म से है।
- '**त्रिपिटक**' ग्रंथों का संबंध बौद्ध धर्म से है।
- बौद्ध ग्रंथों में संघ के नियम **विनय पिटक** से प्राप्त होते हैं।
- गौतम बुद्ध को '**एशिया के ज्योति पुंज**' के तौर पर जाना जाता है।

महाजनपद एवं राजधानियां	
महाजनपद	**(आधुनिक राज्य) राजधानी**
अंग	चंपा
मगध	गिरिब्रज/राजगृह/पाटलिपुत्र
काशी	वाराणसी
वत्स	कौशाम्बी
वज्जि	वैशाली
कोसल	श्रावस्ती/साकेत/अयोध्या/ कुशावती,
अवन्ति	उज्जयनी/माहिष्मती
मल्ल	पावा, कुशीनारा
पांचाल	अहिच्छत्र, काम्पिल्य
चेदि	शुक्तिमती
कुरु	इन्द्रप्रस्थ
मत्स्य	विराटनगर
कम्बोज	हाटक/राजपुर
शूरसेन	मथुरा
अश्मक	पोटली/पोतन
गांधार	तक्षशिला

☞ **नातंदा विश्वविद्यातय** बौद्ध दर्शन के अध्ययन के लिए प्रसिद्ध था।

☞ चार **आर्य सत्य** का संबंध बौद्ध धर्म से है।

बौद्ध संगीतियां			
संगीति	**स्थान**	**अध्यक्ष**	**शासक**
प्रथम (483 ई.पू.)	राजगृह (सप्तपर्णी गुफा में)	महाकस्सप	अजातशत्रु
द्वितीय (383 ई. पू.)	वैशाली	सर्वकामी	कालाशोक
तृतीय (247 ई.पू.)	पाटलिपुत्र	मोग्गलिपुत्त तिस्स	अशोक
चतुर्थ (प्रथम शताब्दी.)	कश्मीर (कुण्डलवन)	वसुमित्र (उपाध्यक्ष-अश्वघोष)	कनिष्क

जैन धर्म

☞ जैन धर्म के संस्थापक **ऋषभदेव** थे।

☞ आचार्य महावीर स्वामी का जन्म **599 ई. पू. कुण्डग्राम** (वैशाली) में हुआ था।

☞ महावीर **24**वें तीर्थंकर थे।

☞ जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक **महावीर स्वामी** थे।

☞ महावीर स्वामी के बचपन का नाम **वर्द्धमान** था।

☞ महावीर स्वामी का विवाह कौडिन्य गोत्रीय **कन्या यशोदा** से हुआ था।

☞ महावीर स्वामी के जीवन, कृत्यों एवं अन्य समकालिकों से उनके संबंधों का विवरण **भगवती सूत्र** में मिलता है।

☞ जृम्भिक ग्राम के निकट **ऋजुपालिका** नदी के तट पर **साल वृक्ष** के नीचे महावीर स्वामी को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

☞ ज्ञान प्राप्ति के बाद **महावीर स्वामी** केवलिन, जिन (विजेता), अर्हत् (योग्य) तथा निर्ग्रन्थ (बन्धन रहित) कहलाए।

☞ महावीर स्वामी की मृत्यु 527 **ई. पूर्व पावा** में हुई थी।

☞ त्रिरत्न- सम्यक दर्शन, सम्यक चरित्र एवं सम्यक ज्ञान का संबंध जैन धर्म से है।

☞ अणुव्रत सिद्धांत का प्रतिपादन जैन धर्म में किया गया है।

☞ अनेकान्तवाद जैन धर्म का महत्वपूर्ण सिद्धांत है।

☞ श्वेताम्बर संप्रदाय के संस्थापक **स्थूलभद्र** थे।

☞ भगवान महावीर का प्रथम शिष्य **जामालि** था।

शैव और भागवत धर्म

☞ भागवत धर्म के संस्थापक **वासुदेव कृष्ण** थे।

☞ वासुदेव कृष्ण **वृष्णि कुल** से संबंधित थे।

☞ वासुदेव कृष्ण का सर्वप्रथम उल्लेख **छान्दोग्य उपनिषद** में मिलता है।

☞ कृष्ण-विष्णु का तादात्म्य नारायण से होने पर वैष्णव धर्म को **पांचरात्र धर्म** कहा जाने लगा।

☞ यूनानी लेखकों ने 'वासुदेव कृष्ण' को **हेराक्लीज** कहा है।

☞ विष्णु के भविष्य में होने वाले अवतार की कल्पना **कल्कि (कलि)** के रूप में की गई है।

☞ शैव धर्म की प्राचीनता **प्रागैतिहासिक** है।

☞ ऋग्वेद में शिव का नाम **रुद्र** था।

☞ **वाजसनेयी संहिता** में रुद्र को 'समस्त लोकों का स्वामी' कहा गया है।

☞ कालिदास ने **अभिज्ञानशाकुन्तलम** का आरंभ एवं अंत दोनों शिव की स्तुति से किया है।

☞ शैव धर्म का प्राचीनतम संप्रदाय **पाशुपत** है।

☞ पाशुपत संप्रदाय की स्थापना **लकुलीश** ने की थी।

☞ शैव धर्म के उपासकों को **नयनार** कहा जाता था।

☞ भागवत धर्म में भक्ति के रूपों की संख्या **9** है।

☞ भागवत धर्म में भगवान **श्री कृष्ण** की पूजा की जाती थी।

☞ वैष्णव धर्म के संतों को **आलवार** कहा जाता था।

छठीं शताब्दी ई.पू. राजनीतिक दशा

☞ पाटलिपुत्र का संस्थापक **उदायिन** था।

☞ **उदायिन** ने सर्वप्रथम पाटलिपुत्र को अपनी राजधानी बनाया।

☞ **मगध** साम्राज्य का उदय 6वीं शताब्दी ई.पू. में हुआ था।

☞ 16 महाजनपदों का उल्लेख **अंगुत्तरनिकाय** में प्राप्त होता है।

☞ मगध साम्राज्य की प्रारंभिक राजधानी **गिरिब्रज** (राजगृह) थी।

ईरानी आक्रमण

☞ भारत पर आक्रमण करने में प्रथम सफलता ईरानी शासक **दारा प्रथम** को प्राप्त हुई।

☞ 'टेसियस' **ईरानी राजवैद्य** था।

☞ **खरोष्ठी** एवं **अरामेइक लिपि** का पश्चिमी भारत में प्रचार ईरानी सम्पर्क का परिणाम था।

यूनानी आक्रमणकमण

☞ सिकंदर का समकालीन मगध का राजा **धननंद** था।

☞ सिकंदर ने **326 ई. पू.** में भारत पर आक्रमण किया था।

☞ सिकंदर महान का शिक्षक **अरस्तू** था।

मौर्य साम्राज्यसाम्राज्य

☞ मौर्य साम्राज्य का संस्थापक **चन्द्रगुप्त मौर्य** था।

☞ यूनानी लेखकों ने चन्द्रगुप्त मौर्य के लिए **सैन्ड्रोकोट्स** एवं **एन्ड्रोकोट्स** नाम का प्रयोग किया है।

☞ प्रथम भारतीय साम्राज्य चन्द्रगुप्त मौर्य के द्वारा स्थापित किया गया था।

मौर्य कालीन प्रमुख प्रांत एवं उनकी राजधानियां	
प्रांत	**राजधानी**
उत्तरापथ	तक्षशिला
दक्षिणापथ	सुवर्णगिरि
कलिंग	तोसली
अवन्ति राष्ट्र	उज्जयिनी
प्राच्य या प्राची	पाटलिपुत्र

☞ चन्द्रगुप्त का प्रधानमंत्री **कौटिल्य (चाणक्य)** था।
☞ चाणक्य बचपन में **विष्णुगुप्त** नाम से जाने जाते थे।
☞ '**अर्थशास्त्र**' की रचना **कौटिल्य** ने की।
☞ पाटलिपुत्र में स्थित **चन्द्रगुप्त मौर्य का महल** लकड़ी से निर्मित था।
☞ **सेल्यूकस** को चन्द्रगुप्त मौर्य ने संभवतः पराजित किया था।
☞ **मेगस्थनीज** चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनानी राजदूत के रूप में आया था।
☞ सारनाथ स्तंभ का निर्माण **अशोक** ने कराया था।
☞ सांची का स्तूप **अशोक** ने बनवाया था।
☞ अशोक के अभिलेखों की भाषा '**प्राकृत**' थी।
☞ अशोक के शिलालेख को सर्वप्रथम **जेम्स प्रिन्सेप** ने पढ़ा था।
☞ अशोक का उसके शिलालेखों में सामान्यतः '**प्रियदस्सि**' नाम प्राप्त होता है।
☞ कलिंग युद्ध की विजय तथा क्षतियों का वर्णन अशोक के **13वें शिलालेख** में प्राप्त होता है।
☞ पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन **इंडिका** (मेगस्थनीज द्वारा लिखित) में प्राप्त होता है।
☞ मौर्य काल में '**सीता**' का तात्पर्य **राजकीय भूमि से प्राप्त आय** थी।
☞ मौर्य काल में राजस्व इकट्ठा करने वाले अधिकारी को **समाहर्ता** कहा जाता था।
☞ मौर्य काल में शिक्षा का प्रसिद्ध केंद्र '**तक्षशिला**' था।
☞ मौर्य वंश का अंतिम सम्राट **बृहद्रथ** था।

मौर्योत्तर काल

शुंग तथा कण्व राजवंश

☞ शुंग वंश का संस्थापक **पुष्यमित्र शुंग** था।
☞ पुष्यमित्र शुंग सम्राट बनने से पूर्व **अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ** का सेनापति था।
☞ **पतंजलि** पुष्यमित्र शुंग के पुरोहित थे।
☞ कालिदास के **मालविकग्निमित्रम्** से शुंग कालीन राजनैतिक गतिविधियों का ज्ञान प्राप्त होता है।
☞ **अयोध्या अभिलेख** से पुष्यमित्र शुंग द्वारा अश्वमेध यज्ञ करने का साक्ष्य मिलता है।
☞ **पुष्यमित्र शुंग** ने 'सेनानी' उपाधि धारण की थी।
☞ पुष्यमित्र के शासनकाल में अग्निमित्र **विदिशा** का राज्यपाल था।
☞ **पुष्यमित्र शुंग** को बौद्धों का घोर शत्रु तथा स्तूपों और विहारों का विनाशक कहा जाता है।
☞ 'जो मुझे एक भिक्षु का सिर देगा उसे मैं 100 दीनारें दूंगा' दिव्यावदान के अनुसार **पुष्यमित्र शुंग** यह घोषणा करता है।
☞ शुंग वंश का 10वां एवं अंतिम शासक **देवभूति** था।
☞ देवभूति की हत्या करके **वसुदेव** ने (वसुदेव देवभूति का अमात्य था) कण्व राजवंश की स्थापना की थी।
☞ कण्व वंश का अंतिम शासक **सुशर्मा** था।
☞ उच्च वर्ण के पुरुष एवं निम्न वर्ण की कन्या के विवाह को **अनुलोम विवाह** कहा जाता था।
☞ निम्न वर्ण का पुरुष एवं उच्च वर्ण की कन्या के विवाह को **विलोम विवाह** कहा जाता था।
☞ **शुंग काल** में सांची स्तूप की वेदिका को पत्थर से बनाया गया।
☞ भरहुत में विशाल स्तूप का निर्माण **शुंग काल** में हुआ था।

प्रमुख भारतीय दर्शन एवं उनके संस्थापक	
दर्शन	**संस्थापक**
न्याय दर्शन	महर्षि गौतम
सांख्य दर्शन	महर्षि कपिल
पूर्व मीमांसा दर्शन	महर्षि जैमिनी
उत्तर मीमांसा दर्शन	बादरायण
योग दर्शन	महर्षि पतंजलि
वैशेषिक दर्शन	महर्षि कणाद

सातवाहन एवं चेदि राजवंश

☞ **पुराणों में सातवाहनों** को 'आन्ध्रभृत्य' तथा 'आन्ध्रजातीय' कहा गया है।
☞ सातवाहन वंश का संस्थापक **सिन्धुक या शिमुक** था।
☞ **यज्ञश्री शातकर्णि** के सिक्कों पर जलपोत का चिह्न उत्कीर्ण है।
☞ पश्चिमी तट पर स्थित **भड़ौच** बंदरगाह को यूनानी लेखकों द्वारा '**बेरीगाजा**' कहा गया है।
☞ **शातकर्णि प्रथम** ने 'दक्षिणापथपति' तथा 'अप्रतिहत चक्र' उपाधियां धारण की थी।
☞ सातवाहन सिक्के **सीसा, तांबा** तथा पोटीन में **ढलवाए** गए थे।
☞ शातकर्णि प्रथम ने **प्रतिष्ठान** को अपनी राजधानी बनाया।
☞ **हाल** ने प्राकृत भाषा के मुक्तक काव्यग्रन्थ 'गाथासप्तशती' की रचना की।
☞ **गौतमीपुत्र शातकर्णि** ने कार्ले के भिक्षु संघ को 'करजक' नामक ग्राम दान में दिया।

☞ **गौतमीपुत्र शातकर्णि** को वेदों का आश्रय (आगमनिलय) तथा अद्वितीय ब्राह्मण/एक मात्र ब्राह्मण कहा गया है।

☞ सातवाहन वंश का महानतम शासक **गौतमीपुत्र शातकर्णि** को माना जाता है।

☞ खारवेल का इतिहास जानने का एकमात्र स्रोत **हाथीगुम्फा अभिलेख** है।

प्रमुख राजवंश, संस्थापक एवं राजधानियां		
राजवंश	**संस्थापक**	**राजधानी**
हर्यक वंश	बिम्बिसार	राजगृह
मौर्य वंश	चन्द्रगुप्त मौर्य	पाटलिपुत्र
शुंग वंश	पुष्यमित्र शुंग	पाटलिपुत्र
सातवाहन	सिमुक	प्रतिष्ठान
गुप्त वंश	श्री गुप्त	पाटलिपुत्र
वर्धन वंश	पुष्यभूति	थानेश्वर
गहड़वाल	चन्द्रदेव	कन्नौज
पल्लव वंश	सिंह विष्णु	कांचीपुरम
राष्ट्रकूट	दन्तिदुर्ग	मान्यखेट

हिन्द-यवन आक्रमण

☞ बैक्ट्रिया के स्वतंत्र यूनानी राज्य का संस्थापक **डायोडोटस** था।

☞ सर्वाधिक प्रसिद्ध हिन्द-यवन शासक **मेनाण्डर** था।

☞ मेनाण्डर की राजधानी **शाकल (स्यालकोट)** थी।

☞ नक्षत्रों को देखकर भविष्य बताने की कला भारतीयों ने **यूनानियों** से सीखी।

☞ भारत में सर्वप्रथम स्वर्ण सिक्के **हिन्द-यवन** शासकों ने जारी किए।

☞ **हिन्द-यवनों** ने भारत में आकृतियुक्त सिक्कों का सर्वप्रथम प्रचलन किया था।

☞ **हिन्द-यवनों** को भारत में सर्वप्रथम लेखयुक्त सिक्के जारी करने का श्रेय प्राप्त है।

☞ भारत का प्रथम शक-विजेता **मेउस** था।

कुषाण राजवंश

☞ कुषाण **यू-ची** जाति के थे।

☞ कुजुल कडफिसेस ने केवल **तांबे** के सिक्के जारी किए थे।

☞ **विम कडफिसेस** ने 'महेश्वर' की उपाधि धारण की थी।

☞ **शक संवत्** 78 ई. में प्रारंभ किया गया।

☞ विक्रम एवं शक संवत् में **135 वर्ष** (57 ई. पू. + 78 ई.) का अंतर है।

☞ **'महाराजराजाधिराजदेवपुत्र'** की उपाधि कनिष्क ने धारण की थी।

☞ कनिष्क **बौद्ध धर्म** का अनुयायी था।

☞ पार्श्व, वसुमित्र, अश्वघोष, नागार्जुन एवं चरक जैसे विद्वानों को **कनिष्क** का संरक्षण प्राप्त था।

☞ **कनिष्क** के काल में महायान बौद्ध धर्म का अत्यधिक प्रचार हुआ।

☞ कनिष्क के राज्य की दो राजधानियां **पुरुषपुर (पेशावर)** तथा **मथुरा** थीं।

☞ प्रथम बार एक अंतरराष्ट्रीय साम्राज्य की स्थापना करने का श्रेय **कनिष्क** को प्राप्त है।

☞ **कनिष्क** को 'द्वितीय अशोक' भी कहा जाता है।

☞ **कुषाणों** ने नियमित रूप से सोने के सिक्के चलाए।

☞ सोने का सिक्का सर्वप्रथम कुषाण शासक **विम कडफिसेस** ने जारी किया।

☞ शक संवत् **78 ईस्वी** में प्रारंभ किया गया था।

☞ विक्रम संवत् **57 ई. पू.** में प्रारंभ किया गया था।

☞ **अश्वघोष** कनिष्क का समकालीन था।

☞ **गांधार शैली** (कला के लिए) कुषाणों के समय में सर्वाधिक विकसित हुई।

☞ **गांधार कला** भारतीय और यूनानी कला का सम्मिश्रण है।

प्रमुख भारतीय विद्वान एवं उनके संरक्षक	
कवि/विद्वान	**संरक्षक/शासक**
हरिषेण	समुद्रगुप्त
कौटिल्य (चाणक्य)	चन्द्रगुप्त मौर्य
अश्वघोष	कनिष्क
नागार्जुन	कनिष्क
चरक	कनिष्क
बाणभट्ट	हर्षवर्द्धन
चन्दबरदाई	पृथ्वीराज चौहान
कालिदास	चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य

संगम युग

☞ सुदूर दक्षिण में नवपाषाण युगीन संस्कृति के बाद जिस संस्कृति का प्रारंभ हुआ, उसे **महापाषाण युगीन संस्कृति** कहा जाता है।

☞ महापाषाण युगीन संस्कृति के लोग **काले** एवं **लाल रंग** के **मृदभाण्ड** प्रयोग करते थे।

☞ 'संगम' शब्द से आशय **परिषद्** या **गोष्ठी** से है।

☞ प्रथम संगम का आयोजन **मदुरै** में किया गया था।

☞ **अगस्त्य ऋषि** ने प्रथम संगम की अध्यक्षता की थी।

☞ द्वितीय संगम का आयोजन **कपाटपुरम्** (अलैवाई) में किया गया।

☞ द्वितीय संगम के अध्यक्ष **अगस्त्य ऋषि** थे।

☞ तृतीय संगम का आयोजन **मदुरै** में किया गया।

☞ तृतीय संगम के अध्यक्ष **नक्कीरर** थे।

☞ कुरल (मुप्पाल) की रचना **तिरुवल्लुवर** ने की थी।

☞ **कुरल** को 'तमिल साहित्य का बाइबिल' तथा 'लघुवेद' माना जाता है।

☞ शिलप्पादिकारम्, मणिमेखलै तथा जीवकचिन्तामणि **प्रसिद्ध महाकाव्य** हैं।

☞ **इलंगो अदिगल** ने शिलप्पादिकारम् (नूपुर की कहानी) की रचना की थी।

☞ **शिलप्पादिकारम्** को तमिल काव्य का **इलियड** माना जाता है।

☞ चोल, चेर एवं पाण्ड्य राज्य के राजकीय चिह्न क्रमशः **बाघ, धनुष** एवं **मछली** थे।

☞ चोलों की प्राचीनतम राजधानी **उत्तरी मनलूर** थी।

☞ करिकाल ने कावेरी नदी के मुहाने पर **पुहार** नामक बन्दरगाह की स्थापना की थी।

☞ तमिल राज्य का प्राचीन देवता **मुरुगन** था।

☞ दक्षिण भारतीय मान्यतानुसार मुरुगन का प्रतीक **कुक्कुट** (मुर्गा) है।

गुप्त वंश गुप्त वंश

☞ गुप्त वंश के शासन की अवधि **275 से 550 ई.** तक है।

☞ समुद्रगुप्त को **'भारत का नेपोलियन'** कहा जाता है।

☞ चन्द्रगुप्त द्वितीय का एक अन्य नाम **देवगुप्त** भी था।

☞ **इलाहाबाद का स्तंभ लेख** (प्रयाग प्रशस्ति) समुद्रगुप्त से संबद्ध है।

☞ **हूणों का आक्रमण** गुप्त शासकों के समय में हुआ।

☞ **स्कन्दगुप्त** ने हूणों को पराजित किया था।

☞ मेहरौली का **लौह स्तंभ** चंद्र नामक शासक (चंद्रगुप्त द्वितीय) ने बनवाया था।

☞ 'नवरत्न' गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय '**विक्रमादित्य**' के दरबार की शोभा बढ़ाते थे।

☞ **कालिदास** चन्द्रगुप्त द्वितीय के दरबारी कवि थे।

☞ **गुप्त संवत्** की स्थापना चन्द्रगुप्त प्रथम ने की थी।

☞ प्राचीन भारत में गुप्त वंश का शासनकाल **स्वर्ण युग** कहा जाता है।

☞ गुप्त काल में सोने के सिक्कों को '**दीनार**' कहा जाता था।

☞ गुप्त काल के चांदी के सिक्कों को **रुप्यक** कहते थे।

☞ हरिषेण **समुद्रगुप्त** का राजकवि था।

☞ गुप्त काल में **सोने** के सर्वाधिक सिक्के जारी किए गए थे।

☞ आर्यभट्ट गुप्तकाल के महान खगोलविद् एवं गणितज्ञ थे।

☞ फ़ाह्यान **चन्द्रगुप्त द्वितीय** के शासनकाल में भारत आया था।

☞ अजन्ता की चित्रकला कृतियों में वर्णित कथानक **जातक** के हैं ।

☞ अजन्ता चित्रकारी की विषय-वस्तु **बौद्ध धर्म** से संबंधित है।

गुप्तोत्तर भारत

☞ प्रवरसेन ने चार अश्वमेध यज्ञों का संपादन किया था।

☞ कन्नौज का पुराना नाम **महोदय नगर** था।

☞ वर्द्धन राजवंश के इतिहास का प्रमुख स्रोत **हर्षचरित** है।

☞ **हर्षचरित** नामक पुस्तक बाणभट्ट ने लिखी थी।

☞ हर्ष के साम्राज्य की राजधानी **कन्नौज** थी।

☞ **ह्वेनसांग** सम्राट हर्ष के समय में भारत आया था।

☞ ह्वेनसांग ने **नालंदा विश्वविद्यालय** में अध्ययन किया था।

☞ **नालंदा** बिहार में स्थित है।

☞ कादम्बरी **बाणभट्ट** की रचना है।

☞ हर्षवर्द्धन ने बौद्ध भिक्षु **दिवाकरमित्र** की सहायता से अपनी बहन 'राज्यश्री' को सती होने से बचाया था।

☞ हर्ष ने थानेश्वर से अपनी राजधानी **कन्नौज** स्थानान्तरित की।

☞ ह्वेनसांग ने **हर्ष को 'पंचभारत'** का स्वामी बताया है। पंचभारत से तात्पर्य **पंजाब, गौड़, कन्नौज, मिथिला और उड़ीसा** है।

☞ हर्ष और पुलकेशिन द्वितीय के बीच युद्ध **नर्मदा नदी** के तट पर हुआ था।

☞ **गौड़ शासक शशांक** ने बोधगया के बोधिवृक्ष को कटवाकर गंगा में फेंकवा दिया था।

☞ भास्करवर्मा **कामरूप** (असम) का शासक था।

☞ महायान बौद्ध धर्म की उत्कृष्टता सिद्ध करने के लिए हर्ष ने विभिन्न धर्मों एवं संप्रदायों की एक विशाल सभा **कन्नौज** में आयोजित की थी।

☞ **प्रयाग** के संगम क्षेत्र में हर्ष प्रति पांचवें वर्ष एक समारोह (महामोक्षपरिषद) आयोजित करता था।

☞ प्रयाग के **छठें** समारोह में ह्वेनसांग भी उपस्थित था।

☞ ह्वेनसांग ने **मूलस्थानपुर** में सूर्य मंदिर का उल्लेख किया है।

☞ **जयदेव** ने हर्ष को भास, कालिदास, बाण, मयूर आदि कवियों की समकक्षता में रखते हुए उसे 'कविताकामिनी का साक्षात हर्ष' कहा है।

☞ ह्वेनसांग का यात्रा वृतान्त '**सि-यू-की**' है।

☞ उत्तर-गुप्त युग का प्रसिद्ध विश्वविद्यालय **नालंदा** था।

☞ **धर्मपाल** ने बौद्धों के लिए विख्यात 'विक्रमशिला विश्वविद्यालय' की स्थापना की थी।

☞ **राजा भोज** ने भोपाल शहर की स्थापना की थी।

☞ नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट करने वाला **मुहम्मद बिन बख्तियार खिलजी** था।

☞ वर्द्धन वंश की प्रारंभिक राजधानी **थानेश्वर** थी।

☞ विक्रमशिला (भागलपुर) एवं सोमपुरी (पहाड़पुर) महाविहारों की स्थापना का श्रेय **धर्मपाल** को है।

☞ धर्मपाल की राजसभा में प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान **हरिभद्र** निवास करता था।

☞ **बल्लालसेन** ने समस्त बंगाल एवं बिहार के ऊपर अपना अधिकार करके 'गौड़ेश्वर' की उपाधि धारण की।

☞ **बल्लालसेन** ने निःशंक शंकर की उपाधि धारण की थी।

☞ **बल्लालसेन** ने '**दानसागर**' नामक ग्रन्थ की रचना भी की थी।

☞ **लक्ष्मणसेन** ने पुरी, काशी तथा प्रयाग में विजय स्तम्भ स्थापित किए थे।

☞ तुर्क आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी के आक्रमण के समय सेन शासक **लक्ष्मणसेन** थे।

☞ सेन शासकों की राजधानी नवद्वीप जिला **नदिया** थी।
☞ गीतगोविन्द **जयदेव** की रचना है।
☞ जयदेव, धोयी एवं हलायुध को **लक्ष्मणसेन** का संरक्षण प्राप्त था।
☞ नागानन्द, प्रियदर्शिका एवं रत्नावली **हर्षवर्द्धन** की कृतियां हैं।
☞ महाभाष्कर एवं लघुभास्कर **भाष्कर प्रथम** की कृतियां हैं।
☞ **ब्रह्मगुप्त** ने ब्रह्मसिद्धांत की रचना की।
☞ याज्ञवल्क्य स्मृति के प्रमुख टीकाकार **विज्ञानेश्वर** एवं **अपरार्क** थे।
☞ 'मिताक्षरा' **विज्ञानेश्वर** की रचना है।

ऐतिहासिक इमारतें एवं मंदिर

इमारतें/मंदिर	स्थिति
अजन्ता एवं एलोरा गुफा	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
शांतिनिकेतन	वीरभूमि (प. बंगाल)
एलीफैन्टा गुफा	मुंबई (महाराष्ट्र)
महाबलीपुरम मंदिर	कांचीपुरम् (तमिलनाडु)
सांची स्तूप	रायसेन (मध्य प्रदेश)
लिंगराज मंदिर	भुवनेश्वर (ओडिशा)
सूर्य मंदिर (काला पैगोडा)	कोणार्क (ओडिशा)
दक्षिणेश्वर काली मंदिर	कोलकाता (प. बंगाल)
सोमनाथ मंदिर	गिर सोमनाथ (गुजरात)
कैलाश मंदिर	एलोरा (महाराष्ट्र)
त्र्यंबकेश्वर मंदिर	नासिक (महाराष्ट्र)
महाबलेश्वर मंदिर	महाराष्ट्र
दिलवाड़ा जैन मंदिर	माउंट आबू (राजस्थान)
ब्रह्मा मंदिर	पुष्कर (राजस्थान)
होयसलेश्वर मंदिर	हेलेबिड (कर्नाटक)
तट मंदिर	महाबलीपुरम् (तमिलनाडु)
रामेश्वरम् मंदिर	तमिलनाडु
मीनाक्षी मंदिर	मदुरई (तमिलनाडु)
बृहदेश्वर मंदिर	तंजावुर (तमिलनाडु)
नटराज मंदिर	चिदम्बरम (तमिलनाडु)
वेंकटेश्वर मंदिर	तिरुपति (आंध्र प्रदेश)
जगन्नाथ मंदिर	पुरी (ओडिशा)
वैष्णो देवी मंदिर	जम्मू-कश्मीर
खजुराहो मंदिर	छतरपुर (म.प्र.)

प्राचीन भारत में स्थापत्य कला

☞ **खजुराहो** मंदिर का निर्माण चंदेल वंश के शासकों ने कराया था।
☞ **एलीफैन्टा की गुफाएं** (बंबई के पास समुद्र में स्थित) मुख्यतः शैव धर्म से संबंधित हैं।
☞ बौद्ध, हिंदू एवं जैन शैलकृत गुफाएं एक साथ **एलोरा** में विद्यमान हैं।
☞ **अजन्ता तथा एलोरा** की गुफाएं **औरंगाबाद** (महाराष्ट्र) में अवस्थित हैं।
☞ कोणार्क का **सूर्य मंदिर** (काला-पैगोडा) ओडिशा में स्थित है।
☞ **अंकोरवाट** का **विष्णु मंदिर** कंबोडिया में स्थित है।
☞ दिलवाड़ा का जैन मंदिर **माउंट आबू** (राजस्थान) में स्थित है।

दक्षिण भारत

☞ **चोलों की राजधानी** क्रमशः पुहार, उरैयूर, तिरुवारूर, तंजौर एवं गंगैकोंड-चोलपुरम थी।
☞ ग्राम प्रशासन की स्वायत्तता चोल प्रशासन की विशेषता थी।
☞ **नटराज** की मूर्ति का निर्माण चोल काल में हुआ था।
☞ महाबलीपुरम का **रथ मंदिर** पल्लवों द्वारा निर्मित कराया गया था।
☞ **श्रीलंका** पर विजय चोल शासकों ने प्राप्त की थी।
☞ **तोल्काप्पियम** ग्रंथ व्याकरण से संबंधित है।
☞ **रोमन बस्ती** अरिकामेडु से प्राप्त हुई है।
☞ दक्षिण भारत का प्रसिद्ध '**तक्कोलम का युद्ध**' चोलों तथा राष्ट्रकूटों के मध्य हुआ था।

प्राचीन साहित्य एवं साहित्यकार

☞ **हेरोडोटस** को इतिहास का पिता कहा जाता है।
☞ '**मुद्राराक्षस**' के लेखक विशाखदत्त थे।
☞ '**दशकुमारचरित**' के लेखक दंडिन या दण्डी थे।
☞ '**कुमारसंभवम्**' की रचना कालिदास ने की थी।
☞ '**राजतरंगिणी**' का लेखक कल्हण था।
☞ राजतरंगिणी में '**कश्मीर के इतिहास**' का वर्णन है।
☞ '**अष्टाध्यायी**' पाणिनि के द्वारा लिखी गई थी।
☞ **पंचतंत्र** का लेखक विष्णु शर्मा को माना जाता है।
☞ **भास्कराचार्य**, बीजगणित के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध थे।
☞ '**मनुस्मृति**' मूलतः कानून से संबंधित थी।
☞ **मनु** को भारत का प्रथम विधि-निर्माता माना जाता है।

पूर्व मध्यकाल

☞ '**पृथ्वीराज तृतीय**' पृथ्वीराज चौहान के नाम से प्रसिद्ध था।
☞ **आल्हा-ऊदल** (महोबा) चंदेल शासक परमर्दिदेव के सेनानायक थे।
☞ '**पृथ्वीराज रासो**' के लेखक चंदबरदाई थे।
☞ '**पृथ्वीराज विजय**' के लेखक जयानक थे।
☞ पाल वंश के शासक धर्मपाल ने 8वीं शताब्दी में बिहार राज्य के भागलपुर में **विक्रमशिला विश्वविद्यालय** की स्थापना की थी।
☞ महान संस्कृत कवि एवं नाटककार **राजशेखर** महेंद्रपाल के दरबार से संबंधित था।